हिमाचलप्रदेशस्य मण्डीजनपदान्तर्गत-सुन्दरनगरोपजनपदस्थस्य

राजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य

" वार्षिको वृत्तान्तः "

२०१५-२०१६

भारतीय संस्कृति एवं सम्पूर्ण संसार के लिए आदर्शरूप विश्व गुरु भारत वर्ष की जन्मदात्री देववाणी संस्कृत भाषा के रक्षण एवं संवर्धन में प्रतिक्षण तत्पर एवं अग्रणी यह महाविद्यांलय, सुकेत रियासत के तत्कालीन राजाओं की शास्त्र विषयक जिज्ञासाओं की शान्ति एवं सामाजिक सामञ्जस्य संस्थापन हेतु, हिमाचलप्रदेश की रमणीय उपत्यकाओं के मध्य 'छोटी काशी' के नाम से विख्यात मण्डी नगर में, महर्षि शुकदेव के द्वारा पालित एवं भगवान् श्रीनृसिंह तथा मातृरूपा भगवती श्रीत्रिपुरसुन्दरी के द्वारा दसों दिशाओं से अभिरक्षित क्षेत्र सुन्दरनगर में, ईसाब्द १९२३ से समाजकल्याण तथा शिक्षा के विकास के उद्देश्य से प्रगति के पथ पर अविराम कार्यरत है।

मान्यवर ! प्रदेश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण उत्तर भारत में अपनी विद्वत्ता के गौरव की पताका से इस क्षेत्र के यश का सम्पूर्ण भारत वर्ष में शाश्वत प्रचार-प्रसार करने वाला यह संस्थान प्राचीन एवं नित्य नवीन ज्ञान के मूल स्रोत वेद से लेकर आधुनिक ज्ञान के पूर्ण परिचायक सङ्गणक तक सभी पारम्परिक एवं आधुनिक विधाओं के द्वारा 'अद्वितीय एवं सर्वजनमान्य विद्वानों के निर्माण तथा समाज की सेवा में समर्पण', इस समाज-जागरण रूपी ज्ञानयज्ञ को निरन्तर सञ्चालित करते हुए वर्षों से अखण्ड तपःसाधना में पूर्णतया तल्लीन है।

आचार्य-वर्ग :- महाविद्यालय में संस्कृत अध्यापन हेतु वेद, व्याकरण, ज्योतिष, दर्शन, साहित्य विषयों सहित छः पद सृजित हैं, जिनमें से ज्योतिष एवं साहित्य

विषयों के एक-एक पद रिक्त चल रहा है। एवं संस्कृत विषयों के अतिरिक्त अङ्ग्रेजी (English) विषय के पद पर एक प्राध्यापिका (Associate Professor) कार्यरत है तथा हिन्दी विषय कानएक पद रिक्त चल रहा है।

कार्यालयकर्मचारी :- महाविद्यालय के कार्यालय में एक अधीक्षक एवं एक लिपिक कार्यरत हैं। तथा चतुर्थ श्रेणी के चार पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं।

वार्षिक-परीक्षा-परिणाम :- महोदय! हि०प्र०वि०वि०शिमला द्वारा सञ्चालित की जाने वाली महाविद्यालय स्तर की वार्षिक-परीक्षा में तीन छात्र-छात्राओं ने प्रदेश भर में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए हैं। एवं अन्य परीक्षा परिणाम भी प्रशंसनीय रहा है।

पुस्तकालय एवं पुस्तकालयाध्यक्ष :- महोदय! महाविद्यालय के पुस्तकालय में वेद-वेदाङ्गों, उनिषदों, पुराणों, उपपुराणों, पुरातन एवं नवीन काव्य साहित्य एवं सौन्दर्य-शास्त्र, आयुर्वेद तथा अतिरिक्त भारतीय ज्ञान-विज्ञान की बहुमूल्य शास्त्ररूपी धरोहर महाविद्यालयीय छात्रों के उपयोग हेतु विद्यमान है। पुस्तकालय में इस समय सम्भवतः दस हज़ार पुस्तकों का सङ्ग्रह उपलब्ध है। इस प्रकार की पुस्तकों का विशाल सङ्ग्रह हिमाचल प्रदेश के अन्य किसी भी पुस्तकालय के पास उपलब्ध नहीं है। परन्तु इसके समुचित व्यवस्थापन हेतु महाविद्यालय के पास पुस्तकालयाध्यक्ष (Librarian) के अभाव के कारण छात्रों को अध्ययन में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

सङ्गणक-प्रकोष्ठ :- मान्यवर! महाविद्यालय के पास आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सङ्गणक-कक्ष भी उपलब्ध है। जिसमें १३ सङ्गणक अन्तर्जालीय (Internet) व्यवस्था एवं एक ओवर-हैडप्रोजैक्टर् सहित उपलब्ध हैं। जिसका उपयोग

छात्रों एवं छात्राओं को सङ्गणक सम्बन्धी ज्ञान प्रदान करने हेतु किया जाता है। ईसाब्द २०१३ से रूसा कार्यक्रम के प्रारम्भ होने के कारण छात्रों के पाठ्यक्रम में सङ्गणक का विषय भी निर्धारित है। यहाँ से महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएँ अपने विषय से सम्बन्धित व्यावहारिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। अतः आधुनिकता के समय में महाविद्यालयीय छात्र इस सङ्गणक कक्ष से आधुनिक ज्ञान भी अर्जित कर रहे हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ :- हमारा महाविद्यालय सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में भी सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश में अपना एक विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण स्थान रखता है। महोदय! इस वर्ष महाविद्यालय के छात्रों ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव ग्रुप-फोर् तथा ग्रुप-टू में भी भाग लिया। जिनमें ग्रुप-फोर् हेतु छात्र गौतम गर्ल्ज़ कालेज हमीरपुर तथा ग्रुप-टू हेतु बिलासपुर गये। वहाँ पर महाविद्यालय का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

खेल-सम्बन्धित गतिविधियाँ :- मान्यवर ! इस सत्र में महाविद्याल्यूयीय छात्रों ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया । जिसमें महाविद्यालय का छात्र-वर्ग वाली-बाल प्रतियोगिता हेतु राजकीय-महाविद्यालय,सीमा, क्रिकेट-प्रतियोगिता हेतु एम.एल.एस.एम.कालेज सुन्दरनगर, हैण्ड-बाल हेतु बिलासपुर, जहाँ हमारे महाविद्यालय की एक छात्रा का चयन राष्ट्रिय स्पर्धा हेतु हुआ था। जोकि महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। मान्यवर! इस वर्ष अनतर्महाविद्यालयीय खो-खो छात्रा-वर्ग प्रतियोगिताि के समायोजन का सौभाग्य महाविद्यालय को प्राप्त हुआ था। इस आयोजन की व्यवस्था की प्रदेशभर में भूरि-भूरि प्रशंसा हुई। तथा महाविद्यालय की एक छात्रा का राष्ट्रीय खो-खो स्पर्धा हेतु चयन हुआ थाम जोकि महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है।

स्काऊटिङ्- सम्बन्धित गतिविधियाँ :- हमारे महाविद्यालय की '**भारत स्काऊट्स एण्ड गाइड्स**' संस्था की इकाई का समूचे हिमाचल प्रदेश में अपना एक विशिष्ट स्थान है। हमारे महाविद्यालय के रोवर्ज़ एवं रेन्जर्ज़ संस्था के कार्यों में निरन्तर रूप से संल्लग्न रहकर कड़ी मेहनत और निष्ठा के साथ, महाविद्यालयीय और सामाजिक, अनेक प्रकार के कार्यों का सम्पादन करके अपनी विशिष्ट भूमिका कार निर्वहन किया करते हैं। इस वर्ष महाविद्यालय के स्काऊटिङ्-कार्यों में कुछ विशेष वृद्धि हुई है। इसके लिए महाविद्यालय के रोवर्ज़ एवं रेन्जर्ज़ प्रशंसा के पात्र हैं । महोदय हमारे महाविद्यालय के रोवर्ज़ एवं रेन्जर्ज़ इस वर्ष संस्थाकी ओर से **'Community Development of Society'** नामक **कार्यशाला/Workshop** में भाग लेने हेतु राजकीय महाविद्यालय हरिपुर (मनाली) तथा **निपुण-कैम्प** हेतु शाहतलाई (बिलासपुर) एवं तारादेवी (शिमला) गये हुए थे। जहाँ पर इन्होंने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करके महाविद्यालेय के नाम को और अधिक प्रकाशित किया है। जहाँ से प्रेरित होकर इन्होंने महाविद्यालय में आकर अनेक नूतन कार्यों को पूर्ण किया और परिणामस्वरूप **७-११-२०१५** को बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ झण्डा-दिवस का आयोजन किया। जिसमें महाविद्यालय के रोवर्ज़-रेन्जर्ज़ एवं सभी छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालयीय रोवर्ज़ एवं रेन्जर्ज़ की युनिट् ने अपने किये हुए कार्यों एवं प्रोजैक्ट्स की एक **Power-Point Presentation - C.D. / सान्द्रमुद्रिका** भी तैयार की है। जिसका प्रस्तुतीकरण, राष्ट्रिय गान के तुरन्त बाद यहाँ से निवृत्त होकर ऊपर महाविद्यालय की सङ्गणकशाला में, होना निश्चित है। इस **Power-Point Presentation** को रोवर्ज़ लीडर अमन कुमार शास्त्री अन्तिम वर्ष एवं अन्य रोवर्ज़ एवं रेन्जर्ज़ के सहयोग से सम्पादित किया है। इन सभी कार्यों के सफल सम्पादन हेतु महाविद्यालय के सभी रोवर्ज़ एवं रेन्जर्ज़ प्रशंसा के पात्र हैं । महाविद्यालय प्रशासन इनसे भविष्य में भी इसी प्रकार अथवा और अधिक निपुणता एवं सहजता के साथ अपने दायित्वों की

पूर्ति करके संस्था एवं अपने अभिभावकों के नाम को उत्तरोत्तर उज्ज्वलित करने हेतु आशा करता है ।

छात्रावास-सम्बन्धित गतिविधियाँ :- मान्यवर ! सरकार की अनुकम्पा से जनजातीय छात्रावास योजना के अन्तर्गत जनजातीय छात्राओं के लिए छात्रावास का सुचारु रूप से प्रारम्भ अगस्त २०१४ से किया जा चुका है । जिसमें ५६ छात्राओं के आवास की व्यवस्था उपलब्ध है। वर्तमान में छात्रावास में कुल ३९ छात्राएँ निवास कर रही हैं।

भवन-निर्माण :- महोदय ! विगत वर्षों से महविद्यालय परिसर में परीक्षाओं के समुचित सञ्चालन हेतु परीक्षा-कक्ष/Examination-Hall का अभाव था। जिसके कारण हमें परीक्षा सञ्चालन में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आपकी अपार कृपा से महाविद्यालय में परीक्षाकक्ष का कार्य उत्तरोत्तर प्रगति पर है। इस कार्य हेतु आपके द्वारा २½ लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसके परिणाम स्वरूप महोदय के दिशा निर्देश से परीक्षा-कक्ष/Examination-Hall के लिए स्थान की समुचित व्यवस्था हेतु दो स्वाध्याय-कक्षों का निर्माण-कार्य प्रगति पर है। जिनकी पूर्णता हेतु महाविद्यालय के पास पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं है। आपसे निवेदन है कि इस शेष कार्य की पूर्णता हेतु यथायोग्य धनराशि की व्यवस्था करवाके कृतार्थ करने की कृपा करें। अतः इस परम पुनीत कार्य में मुख्य सहयोग हेतु समस्त महाविद्यालयीय परिवार आपका सदैव आभारी रहेगा एवं भविष्य में भी आपसे इसी प्रकार से अभिभावकीय सहयोग की आशा को सदा अपने मन में सञ्जोए रखेगा।

महाविद्यालय की आवश्यकताएँ :-

१. महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के अध्ययन को दृष्टि में रखते हुए हमें पुस्तकालय के प्रबन्धन हेतु पुस्तालयाध्यक्ष की वास्तविक एवं तात्कालिक आवश्यकता है।

२. महाविद्यालय में विभाग के द्वारा सङ्गणक-कक्ष (Computer-Lab) संस्थापित तो करवा दिया गया है। परन्तु इसके समुचित सञ्चालन हेतु सङ्गणक प्राध्यापक (Computer-Teacher) का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस समय सङ्गणक कक्ष के सञ्चालन का कार्य महाविद्यालय के साहित्य विषय के आचार्य खुशवन्त सिंह जी देख रहे हैं। महोदय मैं आपको इस तथ्य से अवगत करवाना चाहती हूँ कि उच्च शिक्षा में रूसा के लागू होने के कारण महाविद्यालय के समस्त कार्य सङ्गणक पर आधारित हैं। अतः महाविद्यालय को इस स्थिति में सङ्गणक प्राध्यापक की नितान्त आवश्यकता है। जिससे महाविद्यालय के सभी कार्य सरलता से पूर्ण हो सकें एवं छात्रों को सङ्गणक का पूर्ण ज्ञान प्राप्त हो सके।

३. इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में ज्योतिषाचार्य, साहित्याचार्य, राजनीतिकशास्त्र, इतिहास, शारीरिकशिक्षा एवं सङ्गीत के शिक्षकों की भी आवश्यकता है। क्योंकि रूसा-पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्राध्यापकों के अभाव में अध्यापन के कार्य में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

४. मान्यवर! यह महाविद्यालय विश्वविद्यालयीय स्तर पर सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका रखता है परन्तु महविद्यालय के पास आयोजन एवं प्रतिभा प्रदर्शन हेतु मञ्च की व्यवस्था भी नहीं थी। जिसके लिए आपकी अतुलनीय अनुकम्पा से हमें १½ लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है। जिसका शिलान्यास आज आपके कृपाशील करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। जिसके लिए यह महाविद्यालय परिवार सदैव ऋणी रहेंगा। पूर्ण महाविद्यालय परिवार आपसे यह आशा रखता है कि निर्माण कार्य के बाद आप के करकमलों द्वारा ही इस रङ्गमञ्च का शुभ उद्घाटन शीघ्रातिशीघ्र सम्पन्न हो।

मान्यवर!

हम आशा करते हैं कि आपके शुभागमन से हमारी समस्त समस्याएँ उसी प्रकार दूर हो जाएँगी जैसे कि रवि के शुभागमन से अखिल अन्धकार अदृश्य हो जाता है। सज्जनों एवं विद्वानों की पावन धरा पर आपके मुखारविन्द से निःसृत एक-एक शब्द, हमारी अनेक वर्षों से लम्बित समस्याओं के समाधान के साथ-साथ संस्कृत एवं संस्कृति के संरक्षण में परम मार्गदर्शक आदर्श सिद्ध होगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

धन्यवाद सहित !

प्राचार्या,
आ. सोनम डोलमा,
राजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयः,
सुन्दरनगरम्, मण्डी (हि०प्र०)

राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः

सुन्दरनगरम्, जिला-मण्डी (हि०प्र०)

विद्या ह वै ब्राह्मणमाजगाम गोपाय मा शेवधिष्टेऽहमस्मि ।
असूयकयानृजवेऽयताय न मा ब्रूया वीर्यवती तथा स्याम् ।।

वार्षिकपारितोषिकवितरणोत्सवे

“ वार्षिको वृत्तान्तः ”

(सत्रम् २०१५-२०१६, दिनाङ्कः २५-०३-२०१६)